॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

श्री शुभ विवाह प्रस्ताव

षष्ठपीठ,
श्री कल्याणरायजी हवेली
वडोदरा.

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

नि.लि. षष्ठपिठाधीश्वर गो. १०८ श्री वल्लभलालजी महाराजश्री एवं
नि. लि. सेवा शिरोमणि श्रीकृष्णावतीवहूजी महाराज के धर्मात्मज एवं
नि. लि. तृतीयपीठाधीश्वर गो. १०८
श्री व्रजभूषणलालजी महाराज श्री के पौत्र एवं
तृतीय गृहाधीश्वर पू.पा.गो. १०८ श्री वृजेशकुमारजी महाराजश्री
(कांकरोली नरेश) के पुत्ररत्न वर्तमान षष्ठपीठाधीश्वर
पू.पा.गो. १०८ श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री के द्वितीय पुत्ररत्न

युवराज गो. श्री शरणमकुमारजी महोदयश्री

के शुभ विवाह प्रस्ताव के उपलक्ष्य में दिव्य मंगल कार्यक्रमों का आयोजन समायोजित किया जा रहा है। जिसमे अलौकिक, वैदिक और मानवकल्याणकारी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महामहोत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

इस महामहोत्सव में समस्त वल्लभीय पुष्टि सृष्टि को रसानंद का अनुग्रह प्राप्त करने के लिए हार्दिक निमंत्रण है।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

०५.०२.२०२३

रविवार महा सुद -१५

श्री प्रभु का मनोरथ

पलना

राजभोग
१२.०० बजे दोपहर
-: स्थान :-
श्री कल्याणरायजी हवेली, वडोदरा ।

लाडका लाडु

महिला मंडलो द्वारा
बधाई प्रदान करना

समय : दोपहर ४:०० बजे
स्थान : कल्याणप्रासाद, शहीद चौक, वडोदरा.

रंग की छटा : निम्बू पीली

पार्किंग स्थल : अपना बाजार के पास, नजरबाग,
सेन्ट्रल लाइब्रेरी के सामने, बेंक रोड, मांडवी, वडोदरा ।

०६.०२.२०२३ सोमवार महा वद - १

श्री प्रभु का मनोरथ

छप्पनभोग

समय : ६.०० बजे सायंकाल

श्री कल्याणरायजी हवेली वडोदरा ।

- रंग की छटा : केसरी
- पार्किंग स्थल : अपना बाजार के पास, नजरबाग, सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने, बैंक रोड, मांडवी, वड़ोदरा ।

।। श्री वृषभान सदन भोजन को नंदादिक मिलि आये हो ।।

०६.०२.२०२३ सोमवार महा वद - १

छप्पनभोग मनोरथ

छप्पनभोग केवल सामग्री प्रधान महोत्सव नहीं है परंतु भावना प्रधान महोत्सव है। पुष्टि संप्रदाय मै तो सखडी, अनसखडी, दूधघर और शाकघर विगेरे अनेक विभागो में से ३५० उपरांत सामग्री (भोग) सिध्ध करने में आती है।

छप्पनभोग वास्तव में ५६ की संख्या का आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधिभौतिक जेसे विविध प्रकार के महत्व को दर्शाता है।

श्री नंदरायजी समस्त व्रज ८४ कोस के मंडलो के सहित भोजन के लिये श्रीव्रषभानजी के यहाँ पधारे हैं। व्रज मंडल के भावको व्यक्त करने के लिये यहा ५६ की संख्या का निर्देश किया गया है। व्रज को कमल के स्वरुप मानागया है जिसमें प्रथम ८ पंखूडियाँ है, उसके बाद १६ पंखूडियाँ है और उसके बाद ३२ पंखूडियाँ है जो सब मिलकर ५६ पंखूडियाँ होती है जिनसे युक्त यह व्रज मंडल है , इस प्रकार ५६ की संख्या और छप्पनभोग का आध्यात्मिक महत्व है।

प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी श्री गुसांईजी महाराज ने जब श्री गोवर्धनधरण श्रीजी को छप्पनभोग समर्पित किया तब इन भावनाओ का समावेश किया गया था।

पुष्टिमार्ग का सिध्धांत समर्पण की मूल भावना पर आधारित है. प्रत्येक मनुष्य उसके अच्छे और बुरे कर्मो का फल भोगने के लिये अनेक योनियो में भ्रमण करता है। मनुष्य योनि कर्म प्रधान है। बाकी सभी योनियाँ भोग प्रधान है जिससे मनुष्य योनि को अगर बाकी भोग प्रधान योनियो से अलग करे तो ८४ लाख योनीयो में से अेक मनुष्य योनि कम की जाय तो ८३.९९.९९९ योनि बाकी रहेती है। और इस बाकी रही योनियो की कुल संख्या का कुल जोड ५६ होता है. इस ५६ संख्या के कर्मफल के भोग में से निवृत्त होने का सरल उपाय यह है कि ५६ सूचित भोग को श्री प्रभुको समर्पित करना। इस प्रकार करे हुए कर्मो का समग्र फल श्री प्रभु के चरणो में समर्पित करने से जन्मचक्र का पुन: आरंभ नही होता है।

इस प्रकार आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधिभौतिक इस त्रिविध रीत से छप्पन की संख्या का विशेष महत्व है।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

०७.०२.२०२३ मंगलवार महा वद -२

षष्ठनिधि श्री कल्याणराय प्रभु एवं सप्तमनिधि श्री मदनमोहनप्रभु युगल स्वरुप संगमे बिराज कर अलौकिक दर्शन का लाभ प्रदान करेंगे ।

श्री प्रभु का विवाह मनोरथ

समय : संध्याकाल ६:०० बजे
श्री कल्याण प्रासाद,बैंक रोड,मांडवी, वडोदरा ।

- रंग की छटा : लाल
- पार्किंग स्थल : अपना बाजार के पास, नजरबाग, सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने, बैंक रोड, मांडवी, वड़ोदरा

छोटे गणेश ग्रहशांति

समय : ९.०० बजे सुबह
श्री कल्याणरायजी हवेली, वडोदरा ।

छोटे गणेश/गृहशांति

ग्रहशांति प्रस्ताव विवाह से थोड़े दिन पेहले या एक दिन पेहले भी होता है यह वैदिक परंपरा अनुसार स्वशाखा मंत्रो से होता है । यह वर का (अपने माता-पिता के संग चौक) में बिराज कर होता है । इस प्रकार से कन्यापक्ष में भी होता है । इसमें पुण्यावाचन, आचार्य वरण, नवग्रह पूजन, यज्ञ, अभिषेक संग पूर्णाहुति होती है । नवग्रह एवं वरुणदेव की स्थापना भी होती है।

श्री प्रभुका विवाह मनोरथ

जीवात्मा परमात्मा के साथ लग्न करके जन्म जन्म के अलौकिक बंधन में बंध कर, भव सागर पार कर सके इस सत विचार और हेतु के साथ जगद् गुरु श्रीमद् वल्लभाचार्यजी महाप्रभुने पुष्टिमार्ग में सेवा प्रकार की रचना की है । इस सेवा प्रकार में विविध प्रकारके मनोरथों का आयोजन श्री प्रभुके सुखार्थ पू. महाराजश्री के मनोरथ स्वरुप किया जाता है । प्रभु श्री कल्याणरायजी के रस विवाह मनोरथ में प्रभु वरराजा के रुप में अतिसुंदर सुशोभित होकर दर्शन का सौभाग्य प्रदान कर रहे है इस मनोरथ का भाव यह है श्री नंदरायजी समस्त सगे संबधियो एवं व्रजवासियों के साथ श्री कृष्ण भगवान की बारात ले कर बरसाना जा रहे है, और वहाँ श्री व्रषभानजी के महेल में श्री राधिकारानीजी के साथ श्री कृष्ण के लग्न का आनंद प्रदान करते है वहा पर शुभविवाह के समये जो सभी विधी संपन्न हुई थी उन सभी का दर्शन इस विवाह मनोरथ के समय किया जाता है उस परम आनंद के अद्भूत दर्शन करने का सौभाग्य हम सभी जीवो को प्राप्त हो रहा है इस अलौकीक मनोरथ में श्री प्रभु के सन्मुख होकर आजीवन उनके सूत्रबंधन में बंधे यही जीवन की सार्थकता है ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

०८.०२.२०२३ बुधवार महा वद -३

श्री प्रभु का मनोरथ

बसंती घटा

राजभोग/शयन

स्थान : कल्याणरायजी हवेली,वड़ोदरा

अभिवादन रासोत्सव

समय : सायंकाल ७:०० बजे

स्थान : पोलो क्लब, पैलेस रोड,वड़ोदरा

- रंग की छटा : पटोला
- पार्किंग स्थल : अपना बाजार के पास, नजरबाग, सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने, बैंक रोड, मांडवी, वड़ोदरा ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

०९-०२-२०२३, गुरुवार महा वद - ४

श्री प्रभु के मनोरथ

चाँदी का बँगला

राजभोग / संध्या

स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली, वड़ोदरा

गणेश स्थापना

समय : प्रात:काल ९:३० बजे

स्थान : प्रस्ताव स्थल, नवलखी ग्राउंड, पेलेस रोड, वड़ोदरा

निश्चयताम्बुल सांस्कृतिक कार्यक्रम

समय : सायंकाल ६:०० बजे

स्थान : प्रस्ताव स्थल, नवलखी ग्राउंड, पेलेस रोड, वड़ोदरा

- रंग की छटा : कोयली
- स्थल : प्रस्ताव स्थल

गणेश वंदना

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लंबोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ॥

गणेश स्थापन - श्री गणेश स्थापन से ही प्रस्ताव का मंगल शुभारम्भ होता है । इससे पूर्व ही, वर एवं कन्या पक्ष की सभी तैयारी को पूर्ण किया जाता है जैसे चोतरा का निर्माण इस परंपरा अनुसार चित्रण करते हैं जिसमे मंगल कलश एवं गौ बनायी जाती है। बांस का मंडप एवं चंदरवा पीले वस्त्र का बांधा जाता है। गणेश स्थापन जनाना प्रस्ताव है। यह माता संग वर/कन्या चोतरा पर पीली के पट्टा पर बिराज कर करते हैं। माता गोबर से गणेश एवं गौरी बनाते है फिर उनका पूजन करके सभी स्त्रीवर्ग बांस की टोकरी में सेव और बड़ी बनाते है, एवं परस्पर मांग भरते हैं। फिर वर/कन्या को माता पीठी लगाते हैं और बहन, भुआ संग मिलकर गड़गड़ी स्नान कराते है। शुध्ध वस्त्र पहनकर ढोलकपूजन कर के गाने बजाने का मंगल प्रारंभ करते है। बालक की गोद बिठाई होती है।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

०९-०२-२०२३, गुरुवार महा वद - ४

निश्चय तांबुल

सहप्रयत पाणि शरणं प्रपद्ये स्वस्तिसंबाधेष्वभयंनो अस्तु ।
कन्या विषये त्वं निश्चिंतोभवेत ॥ वरं विषये त्वं निश्चिंतो भवेत ॥

समावर्तन-यह वर पक्ष का प्रस्ताव है जो वर को स्नातक बनाने का वैदिक विधान है। जिसमे ब्रह्मचर्याश्रम पूर्ण करने के पश्चात कन्या के भाई द्वारा वर को लगाते है और अुनको पधराके ''आप अपना ब्रह्मचर्याश्रम पूर्ण कर विवाह में पधारो'' यह विनती करते है, असके बाद वर उपनयन संस्कार में पहने हुए सफेद वस्त्र ही सेहरा दंड मोजड़ी धारण कर समावर्तन करते है। द्वार पर सासुजी वर की आरती करती है और वर गृहस्थाश्रम में प्रवेश करते है ।

निश्चय तांबुल-निश्चय तांबुल को बड़ी सगाई भी कहा जाता है। यह प्रस्ताव सायं के समय विवाह के एक दिन पहले सभी गोस्वामी आचार्यो की उपस्थिति में संपन्न होता है। कन्या की मुंहदिखाई के लिए दूधघर, सुकामेवा, फल की छाब लेके वरपक्ष से कन्यापक्ष में पधराते है। वहाँ कन्यापक्ष में वरपक्ष के सभी महिलाएं कन्या को श्रृंगार करते हैं। फिर कन्या को चुंदरी एवं माला धरायी जाती है सभी महिलाएं कन्या की गोदबिठाई करती हैं। दोनों पक्ष के संबंधी मंगलवचनो के साथ गोत्रोच्चार कर परस्पर संबंध स्वरुप वाग्दान करते हैं। फिर कन्या के पिता अपने दोनों हाथ में अक्षत लेके वरके पिता के हाथ में पधराते हैं। ऐसे ही वर के पिता भी करते हैं और परस्पर अपने संबंध पर निश्चित होते हैं। वर के पिता कन्या को टिकी कर मुंहदिखाई एवं छाब देते है। फिर घर के बड़े एवं सभी सजातीयवर्ग मुंहदिखाई देते हैं। साथ ही दोनों संबंधियों को आशीर्वाद देते हैं।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१०-०२-२०२३, शुक्रवार महा वद -४

श्री प्रभु का मनोरथ

सोना को बंगला

राजभोग/ शयन

स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली,वड़ोदरा

कुलदेवता स्थापना वृद्धि की सभा

समय : प्रात:काल ९:३० बजे

स्थान : प्रस्ताव स्थल, नवलखी ग्राउंड, पैलेस रोड, वड़ोदरा

वरघोड़ा

समय : सायंकाल ६:०० बजे

श्री कल्याणरायजी हवेली से प्रस्ताव स्थल

विवाह (गोधूलि वेला)

स्थान : प्रस्ताव स्थल, नवलखी ग्राउंड, पैलेस रोड, वड़ोदरा

- रंग की छटा: अमरसी
- स्थान: प्रस्ताव स्थल

कुल देवता स्थापन / वृद्धि की सभा

प्रात:काल ९:३० बजे (वर/कन्या पक्ष)

"हरि ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
स भूमि सर्वतः स्पत्वाऽत्यतिष्ठद्दशांङगुलम ॥"

सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
स भूमिं विश्वतोवृत्वात्यतिष्ठद्दशांगुलम्॥

पुरुष सूक्तके मन्त्रों से षोडशोपचार द्वारा भगवान पुरुषोत्तम की पूजा का विधान सर्वत्र प्रचलित है। प्रथम मंत्र से आवाहन द्वितीयमंत्र से आसन, तृतीयमंत्र से पाघ, चतुर्थमन्त्र से अर्घ्य पंचममन्त्र से आचमन, षष्ठमंत्र से स्नान, सप्तम मंत्र से वस्त्रोपवस्त्र, अष्टमंत्र से यज्ञोपवीत, नवममन्त्र से गंध, दशममंत्र से पुष्प, एकादश मंत्र से धुप, द्वादशमंत्र से दीपक, त्रयोदश मंत्र से नैवैद्य, चतुर्दशमंत्र से ताम्बूल, पंचदशमंत्र से दक्षिणा, षोडशमंत्र से पुष्पांजलि देनी चाहिए।

योगी याज्ञवल्क्यजी ने कहा है कि जो मानव पुरुषसुक्त से पुष्प और जल भगवान पुरुषोत्तम को अर्पण करता है उसी से सम्पूर्ण चराचर जगत अर्चित हो जाता है।

कुलदेवता स्थापना - कुलदेवताजी का स्थापन विवाह के दिन प्रात:काल होता है। चौतरा पे चौक पूरके पट्टापीरी की बिछात कर वर एवं कन्या अपने मात पिता संग बिराज के करते है। पहले कन्या पक्ष मे आरंभ होता है। केसर हल्दी से बहन बेटी द्वारा कलश के चित्र, कुलदेवताजी को चित्र, गणेशजी को चित्र बनाये जाते है। पीले वस्त्र घर के पुण्यावांचन एवं वेदमंत्रों के द्वारा पूजन आरंभ होता है। कुलदेवता एवं मातृका स्थापना की अलग तैयारी एक स्थान पर होती है जिसे कुलदेवता जी की कोठरी कहते हैं। जहाँ विसर्जन पर्यंत एक अखंड दीपक कुलदेवताजी बिराजते हैं। चोतरा पर मंडपदेवता स्थापन होता है, ग्रन्थि बंधन से प्रत्येक स्तंभ के देवता का आवाहन पूजन होता है। बाद में पांच मिट्टी के सकोरा को हल्दी से भिगोकर सफ़ेद तीनतार वाले सूत से बांधा जाता है। उनमें मन्त्रोद्धारा अभिमंत्रित कर मिट्टी और पाँच प्रकार के बीजों को दूध में भीगो कर पधराते हैं और जवारा उगाते हैं। वर और कन्या को सूत एवं कंकण बाँधा जाता है। फिर सभी खड़े होकर कांस्य के पात्र में आठ सुपारी रख कर वैदिक मंत्रो द्वारा अपने पितर एवं पूर्वजों को पधराते हैं। मिट्टी की मथनी को (हल्दी से रंग) कर स्वास्तिक बनाते है उस में कुलदेवताजी की शाखा मथनी के नीचे वस्त्र और कांस्यपात्र में चावल भर के ऊपर पधराते है और माता अपने श्री हस्त में लेके कुलदेवताजी को एवं पिता पितृ के पात्र को संस्कार बालक पूजन की थाली अपने हाथ में लिए कुलदेवताजी की कोठरी में पीली के वस्त्र पर चलते हुए पधराते हैं। कुलदेवताजी का षोडशोपचार एवं पितृ का नांदीमुख समाधान (श्राध्ध) सुवर्ण से होता है। संकल्प अनुसार सौभाग्यवती एवं ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। सभी कुलदेवताजी को दंडवत करते हैं।

वृध्धि की सभा

प्रात:काल ११:०० बजे से १२:०० बजे (वर/कन्या पक्ष)

सभा में सभी जनाना (बहूजी/बेटीजी) पधारते है। चोतरा पर गणेश जी, पिर चक्कीमूसल, ओखली, बांस के सूपडे में चना, गेहूं, हल्दी गाँठ राखी होती है। सभी जनाना मिल कर हल्दी को कूटते है, और चक्की में चना और गेहूँ पीसते है परस्पर सौभाग्यवद्धि के लिए माँग भरते हैं। फिर माता के पिहर से सबको व्यवहार पहरामनी दी जाती है।

वरघोडा

निज गृह श्री कल्याणरायजी हवेली से निकल कर विवाह स्थल, पेलेस रोड, नवलखी ग्राउंड, बडौदा पहुंचेगा।
घुडचड़ी-सायंकाल ६:००

यह विवाह करने पधारने के पहले यहाँ वर के श्रृंगार होते हैं। सभी गोस्वामी आचार्य एवं सजातिवर्ग एवं वैष्णव यहाँ उपस्थित होते हैं। वर को पाग एवं श्रृंगार होने के पश्चात चोतरा पर पधराकर सेहरा और प्रसादी माला धरायी जाती है, सभी को तिलक होता है। मंत्रो के द्वारा आशीर्वाद देते हैं। बाहर पधारकर धोड़ी का पूजन कर वर घोड़ी पर बिराजते हैं। वैष्णव ठाकुरजी का मंगलदयोष करते हुए सभी आचार्यो को संग पधराते हैं। सभी चलते हुए कन्या के द्वार तक पधारते हैं।

विवाह

गोधूली - वेला

विवाह-गौंधूलि वेला में प्रारंभ होता है। कन्या के द्वार पर वर पधारते है तब कन्यापक्ष के सभी स्त्री-पुरुष वर्ग स्वागत में होते हैं। वर के द्वार प्रवेश पर कन्या की माता आरती करती है। सभी कन्यापक्ष वाले व्यवहार करते हैं। पीली का वस्त्र बिछाकर वर को चोतरा तक पधराया जाता है। वहाँ वर का पूजन कर स्थान दिया जाता है। पक्षालन किया जाता है। (कन्या में माता-पिता) बाद में रेशमी धोती उपरना वर को धारण करने के लिए देते हैं। वर वस्त्र धरा के कन्या के पाणिग्रहण के लिए बिराजते हैं। गृस्थाश्रम के लिए उनको सुवर्ण की यज्ञोपवीत व अन्य आभूषण धराये जाते है। फिर वह चावल से भरे टोकरे में बिराजते हैं । एक और टोकरा कन्या के बिराजने के लिए होता है। वर को यहाँ नारायण स्वरुप और कन्या को लक्ष्मीस्वरुप माना गया है। अंतरपट रेश्मीशाल से वर एवं वधु के बीच में रखते हैं। कन्या के मामा कन्या को मंडप में पधराते हैं। जहाँ कन्या की माता कन्या के चरण धोती है। कन्या के पिता कन्यादान का संकल्प करते हैं पश्चात वर के श्रीहस्त में कन्या का हाथ धर के गोत्रोच्चार द्वारा जल की धारा करते हैं। फिर मंगलाष्टक का गान होता है। शुभ मंगल घडी पर अंतरपट्ट हटता है और कन्या वर के माथे पर फूल पधराकर फिर परस्पर दोनों फूलमाला धराते हैं। परस्पर एकदूसरे का अवलोकन करते हुए कन्या की मांग में कुश लगाते है। फिर कन्यादान का व्यवहार होता है।

कन्यादान के पश्चात दोनों परस्पर श्रृंगार आरती एवं दंडवत करते है। यह विधी सभी जनाना में होता है। फिर कुलंदेवताजी के सन्मुख उनको मंगलसूत्र पहनाकर मांग भर कर गठजोड़ा बंधते है और फिर कपिला वांचन कर सभी आचार्य पुरुष वर्ग १०८ मंत्रो से मंगल कामना के आशीर्वाद प्रदान करते हैं। वर वधु को अभिमंत्रित कर सप्तपदी एवं अग्नि की साक्षी में चार फेरे लेते हैं। वर-वधु के चरण के अंगूठे को पकड़ सप्तपदी करते हैं। वधु के भाई को तिलक एवं दीर्घ जीवन के लिए ध्रुवतारा दर्शन होता हैं।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

११-०२-२०२३, शनिवार महा वद -५

श्री प्रभु का मनोरथ

कांच का बँगला

राजभोग/शयन

स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली, वड़ोदरा

बड़ी पठौनी

कुलदेवता विसर्जन / गंगा पूजी

समय: दोपहर १२:०० बजे

स्थान: प्रस्ताव स्थल, नवलखी ग्राउंड, पैलेस रोड, वड़ोदरा

रंग की छटा: हरी

पार्किंग स्थल : अपना बाजार के पास, नजरबाग, सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने, बैंक रोड, मांडवी, वड़ोदरा

बड़ी पठौनी (नागवल्ली) - बड़ी पठौनी विवाह के अगले दिन होती है वर के श्रृंगार जामा धरा कर कन्यापक्ष द्वारा किये जाते हैं। वधू के श्रृंगार वरपक्ष द्वारा किये जाते हैं। सर्वतोभद्र मंडल, चोखा के दो हाथी बनाये जाते है। ३३ कुल्हड़, दिया, सुवारी से सजावट होती है। वर-वधू चौक बिराजते हैं। पहले ग्रन्थिबन्धन होता है फिर वधू के अखंड सौभाग्य के लिए गणेश, गौरी, विष्णु, लक्ष्मी सभी मंडल देवताओं के साथ षडऋतु पूजन करते है। फिर वर द्वारा वधू की माँग भरते है फिर सभी महिला वर्ग (जनाना) परस्पर माँग भर के बांस से सूपडे को पल्लू से ढक कर वधू को वंशवृध्धि का आशीर्वाद देते है। वर वधू चोखा के हाथी पर खड़े होकर परिक्रमा कर तीन फेर लेते है। दो-दो जनाना दोनों पक्ष से संग बिराज कर आरती काजल लगाते है। वधू द्वारा सभी को बिदा के बीड़ा दिए जाते हैं। कुलदेवताजी की कोठरी में कन्यापक्ष द्वारा वधू को विदा दी जाती है।

गृह प्रवेश - कन्यापक्ष से कन्या का कीर्तन करते गाते-बजाते वरपक्ष में गृह प्रवेश होता है। जहाँ द्वार पर वधू की सास वरवधू की आरती उतारती है मंगलकलश, मार्जन होता है पीली के वस्त्र पर वधू का प्रवेश पहले होता है पीछे वर पधारते हैं। तब घर की सभी बहन, बेटीयाँ बांट रोक कर अपना नेग लेते है फिर कुलदेवताजी को दंडवत करने पधारते हैं। वहाँ सभी वरपक्ष वाले वधू को मुंहदिखाई देते हैं। वधू का

११-०२-२०२३, शनिवार महा वद -५

भाई कन्यापक्ष में वधु को पधराते है और वहाँ कुलदेवता विसर्जन होता है। फिर वरपक्ष में पधराते है वहाँ कुलदेवता विसर्जन होता है।

गंगा पूजन - वरवधू गंगापूजन यमुनाजी के पूजन के भाव से करते हैं। चने के ऊपर मथनी, दिया, प्रसादी माला, बीड़ा, भोग, वस्त्र आरती कर वधू के द्वारा सभी जनाना सहित पूजन हल्दी एवं कुमकुम के स्वस्तिक बनाकर होता हैं। प्राय: सभी वैदिक विधि श्री गोपीजनवल्लभ प्रित्यर्थ ही होती है सभी भोग वस्तु ठाकुरजी की प्रसादी होकर प्रस्ताव में उपयोग की जाती है। ना केवल वैदिक परंपरा पर श्री प्रभु को केसर पत्रिका धर कर आज्ञा लेकर शुरुवात करते हुए ठाकुरजी के विविध मनोरथ से प्रस्ताव सम्पन्न होता है।

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरा: ।
यत्पूजितं मया देवा: । परिपूर्णं तदस्तु मे ।।
(हे कल्याणरायप्रभु ! (सुरेश्वर) मैंने मंत्रहीन,
क्रियाहीन या भक्तिहीन जो कुछ भी
पूजन किया हो उसे परिपूर्ण मानना)

ग्रह प्रवेश

सायंकाल ६:०० बजे
शोभायात्रा पद्मावती शोपिंग सेंटर,
न्यायमंदिर से मांडवी होकर
श्री कल्याणरायजी हवेली पहुँचेगी ।

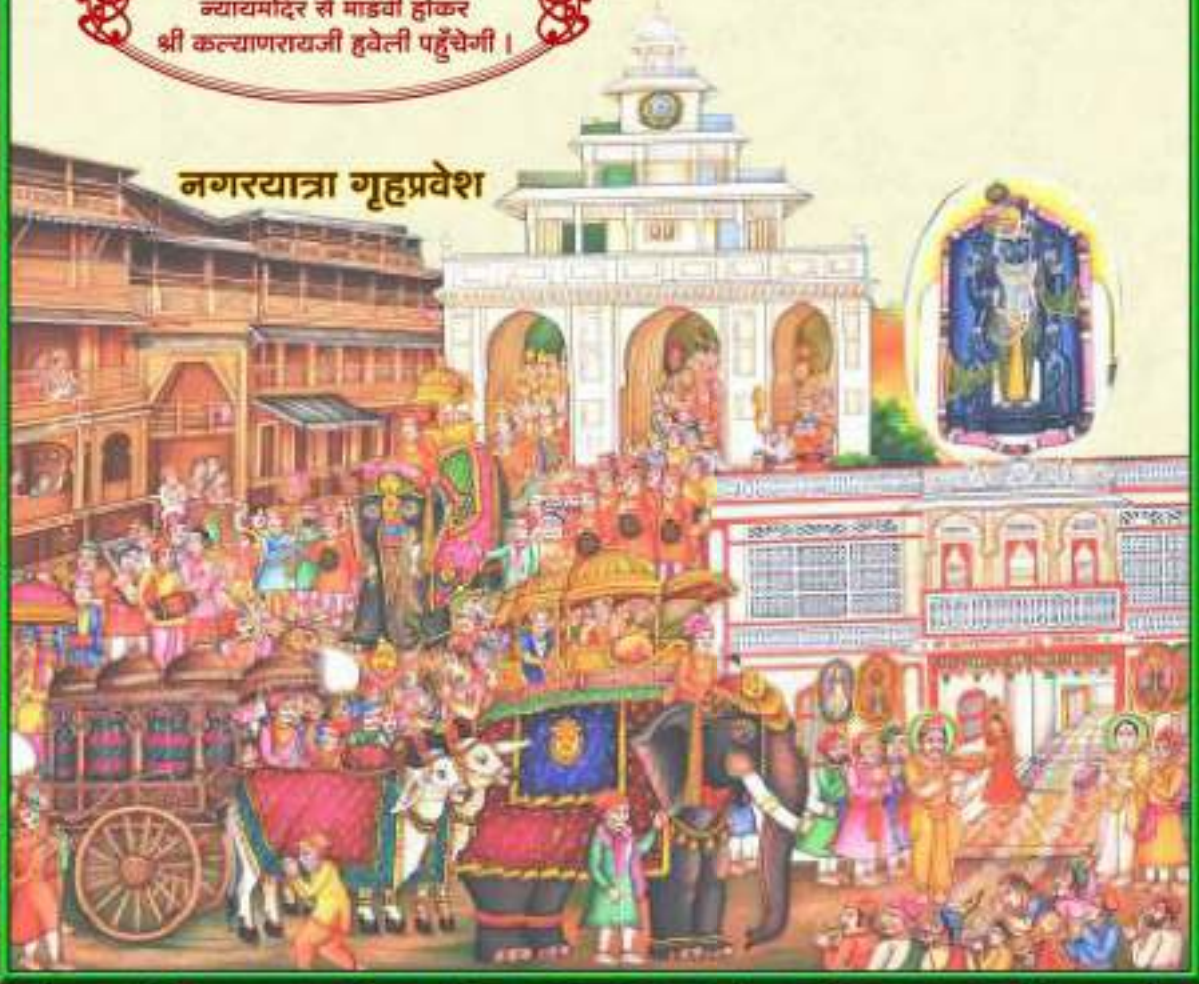

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१२-०२-२०२३, रविवार महा वद -६

श्री प्रभु का मनोरथ

हरे चंदन का बँगला

राजभोग/शयन
स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली,
वड़ोदरा

रंग की छटा : हल्के रंग

पार्किंग स्थल : कल्याण प्रासाद, बैंक रोड, मांडवी, वडोदरा ।

स्नेह सत्कार समारोह

समय : ६:०० बजे सायंकाल
स्थल: कर्णावती क्लब,
एस.जी.हाईवे, अहमदाबाद

स्नेह सत्कार समारोह

वल्लभकुल शिरोमणि षष्ठपीठाधीशर प.पू.गो.१०८ श्री द्वारकेशलालजी
महाराजश्रीना द्वितीय आत्मज
चि. गो.श्री शरणमकुमारजी महोदय संग
सौ.का. चि. सात्विका जी

के प्राणिग्रहणोपलक्ष में सत्कार समारम्भ का आयोजन किया गया है जिसमें विविध धर्म सम्प्रदायों के आचार्य, धर्मगुरु एवं श्री वल्लभकुल आचार्य परिवार तथा विद्वान शास्त्रीगण, राजवी परिवार और विविध-देश-राज्य-शहर के प्रतिष्ठित महानुभाव अपनी पावन मंगलमय तथा प्रेरणादायक उपस्थिति प्रदान कर इस स्नेह सत्कार समारोह को अलंकृत करेंगे । आप हमारे आत्मीय स्वजन है आप की उपस्थिति से हमें अत्यंत आनंद की अनुभूति होंगी । इस आनंदमय महोत्सव में पधारने का हमारा हार्दिक आमंत्रण है ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१३-०२-२०२३, सोमवार महा वद -७

श्री प्रभु का मनोरथ

श्री श्रीनाथजी पाटोत्सव

राल/रसिया

सायंकाल ७:०० बचे

स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली,
वड़ोदरा

- रंग की छटा : केसरी
- स्थान : श्री कल्याणरायजी हवेली, वड़ोदरा ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१४-०२-२०२३, मंगलवार महा वद -८

श्री प्रभु का मनोरथ

फागकी सवारी

दोपहर २:००

रंग की छटा : गुलाबी

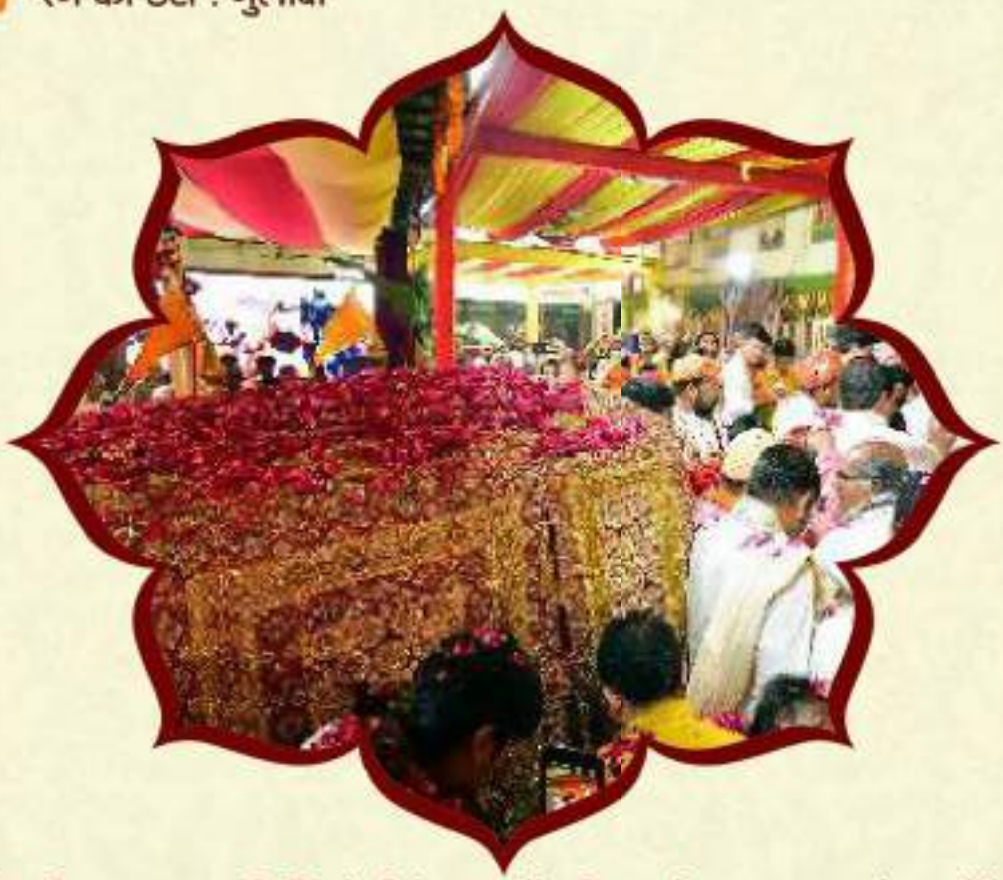

षष्ठपीठ श्री कल्याणरायजी की हवेली से लवाजमें सहित सूर्यनगर गरबा ग्राउंड पधारेंगे जहाँ से सवारी स्वरुप पधारेंगे वहाँ पधारकर श्री प्रभु का अति अलौकिक एवं भव्य द्वादश निकुंज में होली-खेल के मनोरथ के दर्शन होंगे, मनोरथ स्थल से पुन: फाग की सवारी स्वरुप निज गृह पधारेंगे।

मनोरथ स्थल: "कल्याणधाम", कला दर्शन चार रस्ता, वाघोडिया रोड, वड़ोदरा

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१५-०२-२०२३, बुधवार महा वद - ९

श्री प्रभु का मनोरथ

होली रसिया महोत्सव

विपो वडोदरा द्वारा

समय : सायंकाल ६:०० बचे वड़ोदरा

स्थल : नक्षत्र पार्टि प्लोट, मोटनाथ महादेव मंदिर के पास, गदा सर्कल, हरणी रोड,वडोदरा ।

रंग की छटा : फिरोजी

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

१६-०२-२०२३, गुरुवार महा वद - ११

श्री प्रभु का मनोरथ

गुलाल कुंड

समय : राजभोग/संध्या

स्थल : श्री कल्याणरायजी हवेली, वड़ोदरा

- रंग की छटा : पीच कलर
- स्थल : श्री कल्याणरायजी हवेली, वडोदरा

१७-०२-२०२३, शुक्रवार महा वद - १२

युवा वैष्णवाचार्य प.पू.गो. १०८

श्री आश्रयकुमारजी महोदयश्री का शुभ जन्मदिन

राजभोग

निकुंज में सोनेका बंगला

सुबह १०.०० बजे

मार्कन्डेय पूजा

दोपहर १२.०० बजे

सत्कार समारोह

सायंकाल ६.०० बजे

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

वरघोडा रुट

घुडचडी - वरयात्रा - श्री कल्याणरायजी हवेली, बेंक रोड, मांडवी से निकलकर, मांडवी दरवाजा, एम. जी. रोड से न्याय मंदिर से हो कर मार्केट चार रस्ता, किर्तिस्थंभ होते हुऐ नवलखी ग्राउन्ड पहुँचेंगी ।

PUJYA SHARNAMRAJA BINAKI(SHOBHAYATRA) ROUTE FROM SHREE KALYANRAIJI MANDIR TO NAVLAKHI GROUND

DATE : 10.02.2023 @ 5:30 PM ONWARDS

गृह प्रवेश रुट

PUJYA SHARNAMKUMARJI'S GRUH PRAVESH

SHOBHAYATRA ROUTE FROM

PADMAVATI TO SHREE KALYANRAIJI MANDIR

DATE : 11.02.2023 @ 6:00 PM ONWARDS

0.700 METER

SHASHTPEETH SHRI KALYANRAIJI PRABHU'S
SHOBHAYATRA ROUTE FROM
SHREE KALYANRAIJI MANDIR TO KALADARSHAN (Sarjan Complex)

DATE : 14.02.2023 @ 2:00 PM ONWARDS

3.3KM

फागकी सवारी रूट

॥ श्री वल्लभाय नमः ॥

श्री वल्लभाश्रय प्रस्ताव समिति संचालक समिति सदस्य

व्रजेशभाई पटेल / परागभाई महेता / शैलेषभाई चोकसी / कौशिकभाई कारीआ
नितीनभाई ठक्कर / जरेषभाई वकील / भरतभाई कक्कर

देवांगभाई पटेल	राकेशभाई शाह
परेशभाई पटेल	सचिनभाई शाह
वत्सलभाई शेठ	कुमारभाई पटेल
हिमांशुभाई गांधर्व	नीलेशभाई मजेठीया
दक्षेसभाई शाह	केतनभाई सोनी
अमितभाई जोषी	गोपालभाई पटेल
चिरागभाई दिक्षीत	शैलेषभाई ठक्कर
व्रजेशभाई पसारी	पीयुषभाई शाह
राजुभाई शाह	अश्विनभाई शाह
रीतेशभाई शाह	संजयभाई शेठ

सचिव: मधुसुदनभाई चतुर्वेदी 7383883909
दिशांत दालीया 9825050679

-: मुकाम व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

गोपालभाई पटेल 9824165364 अमितभाई जोषी 9427951727
हेमंतभाई अग्रवाल 9824016551 शैलीनभाई सोनी 9426002767

-: वाहन व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

वत्सलभाई शेठ 8320199290 निलेशभाई मजेठीया 9825025424

-: श्री प्रभु मनोरथ सेवा वल्लभकुल भोजन व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

देवांगभाई पटेल 9428880629 शैलेषभाई ठक्कर 9825007989

-: वल्लभकुल सरभरा / पहेरामनी व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

कुमारभाई पटेल 9825568923 केतनभाई सोनी 7990717846

भरतभाई कक्कर 9898056288

-: भोजन व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

नितिनभाई ठक्कर 9825040409 कौशीकभाई कारीया 9979889788

-: स्वागत सरभरा व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

सचिनभाई शाह (गोपी) 9825278118

-: मंडप / फरासखाना व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

परेशभाई पटेल 9825042240 चिरागभाई दिक्षीत

-: तिर्थ पुरोहित / शास्त्रीजी / किर्तनकार व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

हिमांशुभाई गांधर्व 9328016548

-: सांस्कृतिक कार्यक्रम / विडियो फोटोग्राफी व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

राकेशभाई शाह 9727701515 व्रजेशभाई पसारी 9825045707

-: भेट / सेवा / हिसाब व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

परागभाई महेता 9727701570 पियुषभाई शाह 9427015570

दक्षेषभाई शाह 9227105550 संजयभाई शेठ 9426622221

-: ओफिस माहिती एवं जनसंपर्क व्यवस्था :-

मुख्य व्यवस्थापक

व्रजेशभाई पटेल

राजुभाई शाह 9428402020 अश्विनभाई शाह 9825855636

रितेशभाई शाह 8849155042 जरेशभाई वकील 9824092280

श्री प्रभु मनोरथ स्थल

श्री कल्याणरायजी हवेली,
बाजवाडा, बेंक रोड, बडौदा ।

वरघोडा स्थल

श्री कल्याणरायजी मंदिर से नवलखी ग्राउन्ड,
पेलेस रोड, राजमहेल रोड,बडौदा ।

स्नेह सत्कार समारंभ स्थल

वडोदरा : पोलो क्लब, पेलेस रोड, वडोदरा ।

अहमदाबाद : कर्णावती कल्ब, सरखेज गांधीनगर हाईवे
अेस.जी. हाईवे, अहमदाबाद ।

फाग की सवारी मनोरथ स्थल

"कल्याणधाम", कला दर्शन चार रस्ता,
वाघोडिया रोड, वड़ोदरा

होली रसिया मनोरथ स्थल

नक्षत्र पार्टि प्लोट, मोटनाथ महादेव मंदिर के पास,
गदा सर्कल, हरणी रोड, वडोदरा ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

-: मुकाम स्थान सूचिका :-

होटल एक्सप्रेस अलकापुरी

१८/१९ अलकापुरी सोसायटी, वडोदरा।
Ph.: 265 - 613900

होटल वडोदरा रेसिडेन्सी

१६, अलकापुरी सोसायटी, वडोदरा ।
M.: 75748 76183

आरुषि बेन्कवेट

४, अलकापुरी सोसायटी, अलकापुरी,
वडोदरा
M.: 92654 03550

कल्याण प्रासाद

कल्याण प्रासाद, बेंक रोड,
मांडवी, वडोदरा ।

व्रजधाम

व्रजधाम आध्यात्मिक संकुल
दरबार चौकडी के पास,
मांजलपुर, वडोदरा ।

होटल सूर्या पेलेस

सयाजीगंज, वडोदरा।
M.: 70433 45230

दादा भगवान गेस्ट हाउस

समाधी मंदिर, केलनपुर,
वडोदरा डभोई हाईवे, वडोदरा ।
M.: 98451 76667

होटल लोटस

१०-बी विनवर्ड बिसनेस पार्क, अडिकुरा
अस्पताल के पास, बी/एच गुजरात किडनी
अस्पताल, जेतलपुर रोड, अलकापुरी, वडोदरा।
M.: 96249 76344

होटल रॉयल आर्चिड

रॉयल आर्किड सेंट्रल,
अकोटा मुजमहुडा, वडोदरा ।
M.: 98451 76667

विराम हाउस

बी/एच एल.जी. पेट्रोलियम
(एच.पी.सी..एल) मोती भगोल,
भायली, वडोदरा
M.: 99742 53228

होटल फर्न

ऑफ दिनेश मिल रोड,
उर्मी चार रस्ता के पास, पुरुषोत्तम नगर,
अकोटा, वडोदरा, गुजरात ३९००२०
Ph.: 0265 230 5000

होटल जी.आर.जी

३३, संपतराव कॉलोनी,
सर्किट हाउस के सामने,
अलकापुरी, वडोदरा।
Ph.: 0265- 2341022/23

होटल पामव्यू

१८, संपतराव कॉलोनी, अमनट्रान
रेस्टोरेंट के सामने अलकापुरी, वडोदरा।
M.: 73837 71339

होटल राजधानी

दांडीया बजार, गणपती मंदिर के पास,
वडोदरा।

होटल वृंदावन

सिद्धिविनायक मंदिर के पास,
डांडिया बाजार, वडोदरा।
Ph.: 265 -2458200/300

होटल उत्सव

नवरंग कॉम्प्लेक्स, कंपाउंड,
प्रोफेसर मानेकराव रोड, रावपुरा, वडोदरा।
Ph.:0265 -2434871

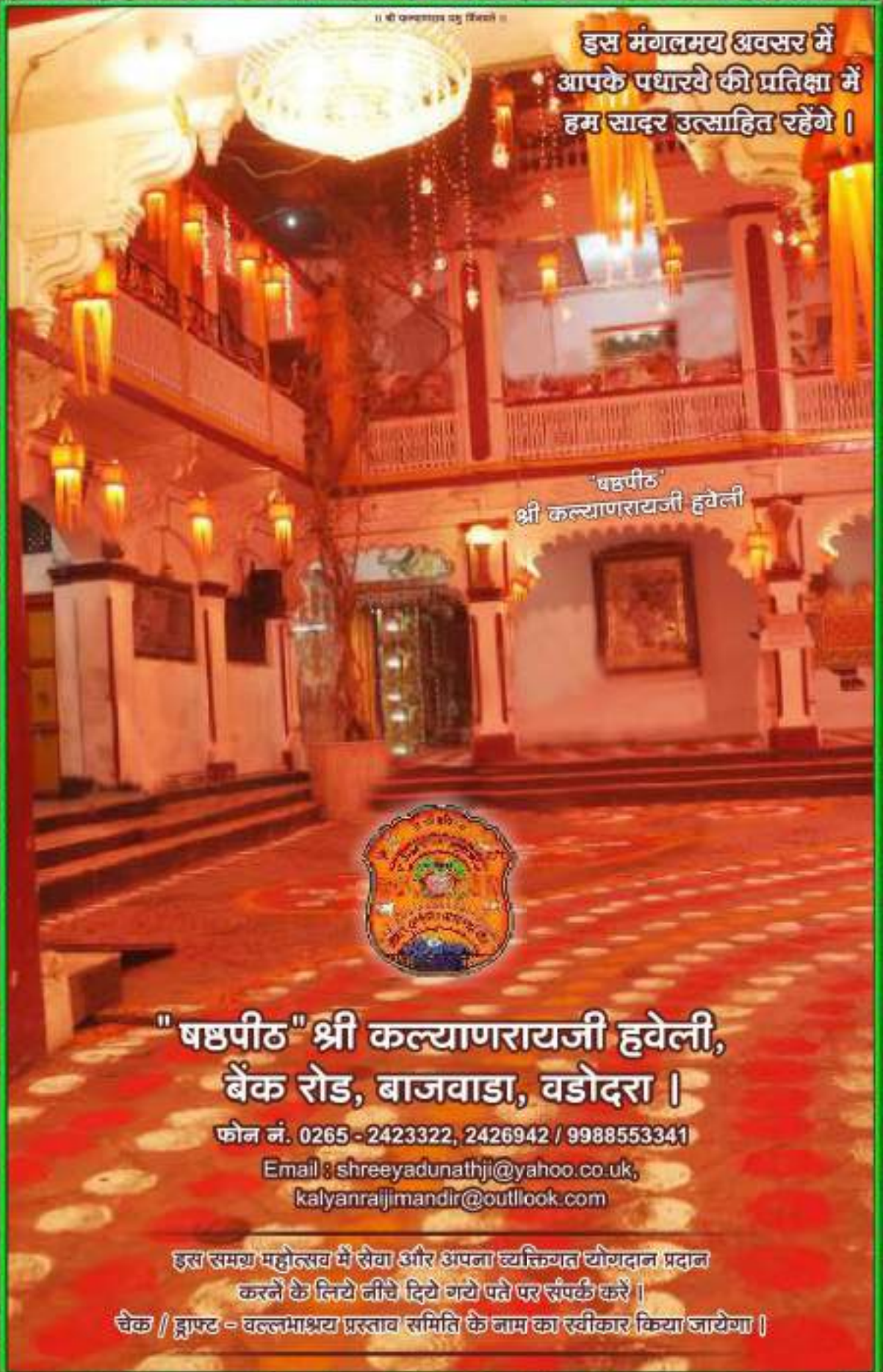
इस मंगलमय अवसर में
आपके पधारवे की प्रतिक्षा में
हम सादर उत्साहित रहेंगे ।
"षष्ठपीठ"
श्री कल्याणरायजी हवेली
"षष्ठपीठ" श्री कल्याणरायजी हवेली,
बेंक रोड, बाजवाडा, वडोदरा ।
फोन नं. 0265 - 2423322, 2426942 / 9988553341
Email : shreeyadunathji@yahoo.co.uk,
kalyanraljimandir@outllook.com
इस समग्र महोत्सव में सेवा और अपना व्यक्तिगत योगदान प्रदान
करनें के लिये नीचे दिये गये पते पर संपर्क करें ।
चेक / ड्राफ्ट - वल्लभाश्रय प्रस्ताव समिति के नाम का स्वीकार किया जायेगा ।

॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥

श्री शुभ विवाह प्रस्ताव

कार्यक्रम सूचिका

चि.गो.
श्री शरणमकुमारजी
महोदय

संग

सौ.कां.चि.
सात्विका जी
बहुजी

ता. ०५.०२.२०२३ से ता. १७.०२.२०२३

-: वल्लभाश्रय प्रस्ताव समिति :-
"षष्ठपीठ" श्री कल्याणरायजी हवेली,
बेंक रोड, बाजवाडा, वडोदरा.